राज
कॉमिक्स विशेषांक
मूल्य 40.00 संख्या 680
वर्तमान
नागराज
सुपरकमांडो ध्रुव

हर गुजरा हुआ पल भूतकाल है और हर आने वाला पल भविष्य! और भूतकाल में घटित घटनाएं ही ये तय करती हैं कि कैसा होगा हमारा...
वर्तमान
संजय गुप्ता पेश करते हैं
कथा : जॉली सिन्हा
चित्र : अनुपम सिन्हा
इंकिंग : विनोद कुमार
सुलेख व रंग : सुनील पाण्डेय
सम्पादक : मनीष गुप्ता
ये सच है! ये सच है!
मैं तो एक अफवाह को बेनकाब करने के लिए इस न्यूज स्टोरी को बना रहा था!
पर ये सच है!
राजनगर के इन घने और अछूते जंगलों में एक भेड़िया मानव मौजूद है!
पर ये डरकर क्यों भाग रहा है?
शायद इसने इंसान कभी देखा नहीं है!

और ये सच्चाई मेरे डिजिटल कैमरे में कैद हो चुकी है!
मैं अभी इस फोटो को इंटरनेट के जरिए भारती मैडम के पास ई-मेल कर देता हूं!
वाऊ!
गिरीश! तुम्हारी फोटो तो एमेजिंग है!
तुम फटाफट वापस आकर इस पर न्यूज फीचर बनाओ! ये हमारी आज की टॉप स्टोरी होगी!
ओ. के. मैडम...
... पर मैं उस भेड़िया मानव का पीछा करके एक-दो स्नैप्स और... उम्मफ!
गिरीश!
कर्रर्रर
किट कटकट!
गिरीश!
कनेक्शन कट गया! कुछ गड़बड़ लगती है राज! गिरीश की जान जरूर खतरे में है!
चिन्ता मत करो भारती!
नागराज गिरीश को कुछ नहीं होने देगा!

राजनगर में-
हास्ता लाविस्ता, बेबी!
हे भगवान! तुम फिर वही 'हास्ता लाविस्ता' वाली सीडी लगाकर बैठ गई!
ये फिल्म है और इसका नाम 'टर्मिनेटर 2' है!
द जजमेंट डे!
तुम अब तक डेढ़ सौ बार ये फिल्म देख चुकी हो! अब तो मुझे बिना देखे ही इस फिल्म का नाम तो क्या, इसके कई डायलॉग याद हो गए हैं!
अच्छा! तो मुझे इस फिल्म की कहानी सुनाओ!
वो... म... अ! मैंने पूरी थोड़े ही देखी है! बस कभी दो मिनट! कभी एक मिनट!
क्या ऑल टाइम ग्रेट मूवी है! इस फिल्म में मशीनों और इंसानों की लड़ाई है! और जब दो इंसान मशीनों पर हावी होने लगते हैं तो मशीन एक चाल चलती है!
वो एक ऐसा रोबॉट बनाती है जो भूतकाल यानी पास्ट में जाकर इंसानों के लीडर को तब मार देगा जब वह एक बच्चा था!
बहाने! बहाने! बहाने!
साफ कहो कि अंग्रेजी समझ में नहीं आती!
हे हे हे! ऐसा कभी होता है?
अभी नहीं होता है! पर ये फिल्म भविष्य की फिल्म है!
अच्छा! अच्छा! मैं मान गया!
हे भविष्य वालों! भविष्य से कोई ऐसा रोबॉट भेज दो जो इसके मुंह पर चेन फिट कर सके!
ऊँsss लूजर!

मैसेज? वह भी ब्रह्मांड रक्षकों की फ्रीक्वेंसी पर! अरे! ये तो नागराज का मैसेज है!
हां, बोलो नागराज!
तुम्हारे शहर में आया हूं!
कोई समस्या?
छोटी सी! जल्दी ही सुलझ जाएगी!
ठीक है! काम खत्म होने के बाद मुझे कॉल करना! साथ बैठ-कर एक-एक ग्लास दूध पीएंगे!
एक क्यों? मैं तो दो ग्लास पीऊंगा!
ओ.के.! मैं पूरी एक बाल्टी दूध का इंतजाम करके रखूंगा! मिलते हैं! ओवर!

ओवर, ध्रुव!
गिरीश के मोबाइल में लगा हुआ 'ग्लोबल पोजीशनिंग सिस्टम' यह बता रहा था कि गिरीश जंगल के इसी क्षेत्र में था!
जाओ मेरे जासूस सर्पो! यहां पर आसपास अगर गिरीश का कोई भी सुराग है तो उसे ढूंढ़ निकालो!
और शीघ्र ही-
टूटा फूटा मोबाइल! ये जरूर गिरीश का ही होगा!
यानी मैं सही जगह पर आया हूं!
गिरीश भी कहीं आसपास ही होगा!
कहीं ऐसा तो नहीं कि गिरीश उस भेड़िया मानव का शिकार बन गया हो!
ओह नो! ऐसा नहीं होना चाहिए!
गिरीश!
अरे!
यह क्या है?
ऐसा लगता है जैसे कि इस जगह पर तांत्रिक क्रियाएं की गई हैं!
ये धुंआ कहां से आ रहा है!
मामला उलझता सा लग रहा है!

पहले भेड़िया मानव का मिलना, फिर गिरीश का गायब होना और अब ये तांत्रिक अनुष्ठान!
गर्ररररर!
आईईयाऽऽ

समझ गया! ये भेड़िया मानव किसी किस्म का तांत्रिक है! और इसी ने गिरीश के साथ कुछ गड़बड़ की है!
इसीलिए गिरीश का पता लगाने के लिए मुझे इसको जिन्दा पकड़ना होगा!
ये सर्प बंधनों से छूट नहीं पाएगा!

ओह! ये लड़खड़ा रहा है! लेकिन फिर भी मुझसे लड़ना चाहता है!
ये मशालें मेरे लिए खतरनाक हो सकती है! मुझे सावधान रहना होगा!
आग से गर्म होकर ऊपर उठती हवा का पर्दा मेरी फुंकार को इस तक पहुंचने नहीं दे रहा है!
तरीका बदलना पड़ेगा!
...फंदा लगाना होगा!
शिकार को पकड़ने के लिए...
बताओ! कहां है वह मानव? तुम्हारा शिकार बन गया या फिर जिन्दा है!
जवाब दो!
ये बोलता क्यों नहीं है?
इसकी गर्दन के पीछे कुछ है!

अरे! इसकी गर्दन में तो एक खंजर धंसा हुआ है...
...ऐसा खंजर, जो देखने से ही तांत्रिक लग रहा है!
यानी ये भी एक शिकार ही था!...
...असली शिकारी कोई और है...
...और शायद अभी-अभी मुझे उसका पता चल गया है!
ये वृक्ष जरूर किसी तांत्रिक के इशारे पर मुझ पर हमला कर रहा है!...
...लेकिन वह शख्स मुझे कहीं नजर क्यों नहीं आ रहा है?

आऽऽऽह! ये शाखाएं तो मेरी हड्डियों का चूरा बनाने पर उतारू हैं, और मैं इनसे जीत नहीं सकता!
और इंसान के शरीर पर मिलने वाली ऐसी ही निशानियां दूसरे पेड़ की डालों पर भी हैं!
ये डाल! इस पर तो एक अंगूठी फंसी हुई है!...
...फंसी नहीं, बल्कि कसी हुई है! और इस पर 'जी' बना हुआ है! 'जी' यानी गिरीश!
ये अंगूठी गिरीश की है!

यानी ये खतरनाक वृक्ष यहां पर आने वाले इंसानों को निगल जाते हैं! यानी यही हैं असली शिकारी!
आऽऽऽऽऽऽऽहह!
...गिरीश ही किसी तरह से वृक्ष में बदल गया है! और अगर ऐसा है तो ये दूसरे वृक्ष भी कभी न कभी इंसान रहे होंगे!
ये क्या? मेरी आंखें जो देख रही हैं, उस पर मुझे यकीन नहीं हो रहा है! लेकिन मैं गिरीश की शक्ल पहचानता हूं, और इसलिए मुझे ये समझने में कोई भ्रम नहीं हो रहा है कि...
और ये समझने के बाद मेरे लिए इन पर वार करना और भी मुश्किल हो गया है!
नागराज अगर चाहता तो भी उसके लिए घातक सर्प-वार करना उतना आसान नहीं होता-

क्योंकि न तो उसके सर्पों में वृक्षों को बांध सकने की ताकत थी-

न ही उसकी विष-फुंकार, पेड़ों की तेज हवा के सामने टिक सकती थी-

और न ही उसके सर्पों में विशाल वृक्षों को बांध सकने की क्षमता थी-

नागराज के लिए बचने के रास्ते तेजी से एक-एक करके बंद होते जा रहे थे-

लेकिन तभी-

बचने का एक रास्ता खुल गया-

सुपर कमांडो ध्रुव !
तुम यहाँ पर कैसे आ पहुँचे ?
तुम्हारा इंतजार करते-करते जब दूध भी ठंडा हो गया, तब मैंने सोचा कि मैं ही तुम्हें ढूंढने चलूं !
ये लड़का मेरे काम में टांग नहीं अड़ा पाएगा ! मुझे सदियों के बाद ऐसा बेमिसाल मौका मिला है ! परम-शक्ति की प्राप्ति के लिए मुझको नागराज की बलि देनी ही होगी !
उस रहस्यमयी आकृति के इशारे पर नागराज पर होता हमला -

और तेज हो गया-
ओफ्! पेड़ों के हिलने की गति अचानक तेज हो गई है! नीचे गिरते बेशुमार पत्ते मुझे कुछ देखने नहीं दे रहे हैं!
मैं भी कुछ देख नहीं पा रहा...
...आऽऽऽह!
मर नागराज, मर!
उस आकृति को नागराज की शक्तियों का आभास नहीं था-
अरे! इसका तो कुछ नहीं बिगड़ा! ये गायब होकर बच गया है। इसमें कुछ अद्भुत शक्तियां जरूर हैं! लेकिन बकरे की मां कब तक खैर मनाएगी!

ये पेड़ अपने आप हम पर कैसे वार कर पा रहा है, नागराज ?

क्योंकि ये वृक्ष वास्तव में ऐसे इंसान हैं, जो किसी कारण से वृक्षों में बदल गए हैं! इसीलिए मैं इन पर कोई घातक वार नहीं कर पा रहा हूं!

लेकिन इनको काबू में करने के लिए घातक वार की जरूरत ही नहीं है! ये काम तो मामूली विष-फुंकार से भी किया जा सकता है!

मेरी विष फुंकार इनकी तेज हवा के सामने टिक नहीं पा रही है! इनको बेहोश करने के लिए विष का इनके अंदर पहुंचना जरूरी है!

लेकिन मेरा विष इनकी छालों के पार नहीं जा पा रहा है!

मेरे पास एक रास्ता है! सुनो...

और फिर-

अरे! यह लड़का क्या कर रहा है? क्या यह समझता है कि ये इस तरफ से मेरे वृक्षों को शिकंजे में जकड़कर इनसे जीत सकता है? कभी नहीं!

"और नागराज के सांप जमीन को खोदकर वृक्षों के जड़ों तक पहुंच रहे हैं-"

"और उनमें अपने विष को उड़ेल रहे हैं-"

कहानी 19 पेज से जारी

"वृक्षों के अंदर जहर सिर्फ जड़ों के जरिए ही पहुंच सकता है! और अब ऐसा ही हो रहा है-"
हमारा टीम वर्क कामयाब रहा, नागराज! तुम्हारे विष के कारण सारे पेड़ लड़खड़ा रहे हैं!
हां ध्रुव! पर ये विष इतना तेज नहीं है कि इनको कोई खतरा पहुंच सके।
जब ये वापस होश में आएंगे, तब क्या होगा?
कुछ नहीं होगा। क्योंकि बेहोश होते ही इनके मस्तिष्कों से मेरा तांत्रिक संपर्क टूट जाएगा...

"और ऐसा होते ही ये सभी मेरे 'संयुक्त-तंत्र' से आजाद हो जाएंगे-"
देखो नागराज! पेड़ों के तनों से इंसानों की आकृतियां अलग हो रही हैं!
इन पर छाया हुआ तंत्र जाल टूट रहा है! लेकिन अब तक हमको ये पता नहीं चल पाया कि ये सारा जाल किसका बिछाया हुआ था!
इतने बेताब मत हो नागराज! तुमको जल्दी ही इस रहस्य का पता चल जाएगा।
जब तुम्हारी गर्दन बलि-वेदी पर होगी, और मेरे हाथ में बलि-कुठार होगा!
और फिर-
गिरीश को क्या हुआ? ये 'भेड़िया मानव' की और तस्वीरें खींच पाया कि नहीं?
अरे! और ये सारे लोग कौन हैं?
वो सब भूल जाओ भारती! गिरीश की जान बच गई, यही बहुत है!
तुम इन सबका डॉक्टर से चेकअप कराओ, और ये भी पता लगाओ कि इन लोगों का नाम-पता क्या है? तब तक मैं कुछ जरूरी काम निपटाकर आता हूं!

ओ गॉड! नागराज ने ये कैसा चक्कर चला दिया है, जिसको देखकर मुझको भी चक्कर आने लगे हैं!
अब तो इनके साथ-साथ अपने लिए भी डॉक्टर को बुलाना पड़ेगा!
इंतजार करने के लिए शुक्रिया ध्रुव! अब हमको छानबीन करने के लिए जंगल के उसी स्थान पर जाना पड़ेगा!
जहां पर... अरे! इतनी ऊंचाई पर ये विशाल परछाई किस...
...चीज की है? हे देव कालजयी! ये तो... ये तो... एक...
...विशाल चिड़िया है! एक काला पक्षी!
और ये हेलीकॉप्टर से टकराने आ रहा है!

कूदो!
ये क्या चीज है? हैलीकॉप्टर के साथ-साथ खुद भी नष्ट हो गया!
ये कैसी मुसीबत है, जो पलक झपकते आई, और चुटकी बजाते चली गई!
एक और परछाईं! अब ये कहां से आ रही है?
दीवार पर देखो नागराज!

यहां से आ रही हैं!
छईयां-छईयां बना रहा है ये परछाईयां!
ओह! लगता है कि मुसीबत जंगल से खुद चलकर यहां पर आ गई है!
सही समझे! और इस बार मैं तुम्हारी बलि लेकर ही रहूंगा, नागराज! और उसके बाद प्रकृति भी मेरे आगे घुटने टेकने पर मजबूर हो जाएगी!

ये परछाईयां त्रि-आयामी बनकर हमारी तरफ बढ़ रही हैं!
नागराज, बचो! अगर ये त्रि-आयामी परछाईयां हमसे टकरा गईं तो हमारा हाल भी हैली-कॉप्टर जैसा होगा!
अगर ऐसा है तो इन परछाईयों को हमसे पहले किसी और चीज से टकराना पड़ेगा ...
... मेरे सर्प अवरोध से! इससे टकराकर परछाईयां अपने आप ही नष्ट हो जाएंगी!
लेकिन-
छैंया छैंया ने इन परछाईयों को खास तुम दोनों को खत्म करने के लिए ही पैदा किया है!
ये किसी चीज से नहीं रुकेंगी, अब ये और तुम एक साथ ही खत्म होगे!
बड़ाम!
अरे! ना सर्पों को कोई नुकसान पहुंचा, और ना ही परछाईयों को! ना तो सर्प नष्ट हुए और ना ही परछाईयां!
आश्चर्य है!
ये परछाईयां तो किसी भी अवरोध से नहीं रुक रहीं!
और साथ ही साथ विनाश भी फैलाती जा रही हैं!
अब हम क्या करें?

परछाईयां, अंधेरे का रूप होती हैं, और अंधेरे को रोशनी से खत्म किया जा सकता है!
और मेरे ध्वंसक सर्प अंधा करने वाली रोशनी पैदा कर सकते हैं!
ध्वंसक सर्पों ने-
पूरे वातावरण को रोशनी से भर दिया-
और विनाशकारी परछाईयां रोशनी में गर्त हो गईं-
तुम्हारा ख्याल सही था, नागराज!
परछाईयां लाइट में गायब हो गईं!
ओह नहीं! इन पर तो रोशनी का कोई असर नहीं पड़ा! अब हम क्या करें?
बस बचो!
बचते रहो!
आऽऽऽऽऽ हहह!

हम तो किसी ना किसी तरह से बच लेंगे, नागराज! लेकिन हमको खत्म करने की कोशिश में परछाईयां विनाश फैलाती रहेंगी!
पब्लिक प्रॉपर्टी को नुकसान होता रहेगा, और हम ऐसा होने नहीं दे सकते!
बिजली उड़ गई और चारों तरफ अंधेरा छाता चला गया -
फिर क्या करें? इन परछाईयों को कैसे नष्ट करें?
बस! इतना ही दिमाग है तुममें? तू क्या समझता है कि अंधेरे में परछाईयां तुम दोनों को देख नहीं पाएंगी? ऐसा नहीं है!
वैसे भी यहां पर मेरी 'मस्तक-मशाल' से ही भरपूर रोशनी है!
एक रास्ता बचा है! उसको भी आजमा कर देख लेते हैं!

वर्तमान
ओफ्फ!
नागराज, कूदो!
गटर में?
हा हा हा! तुम दोनों ने अपनी मौत खुद ही आसान बना दी है! गटर के संकरे गलियारों में तो बचने की जगह भी नहीं होगी!
कूदो!
अब जल्दी ही अंदर से दोनों के धुंए में बदले शरीर, हवा में तैरकर बाहर आते ही होंगे!

अरे! काफी समय बीत गया! ना तो अंदर से धुंआ आया, और ना ही चिल्लाने की कोई आवाज?
आऽऽऽहहह!
तड़
धड़ाक
तु... तुम दोनों बच कैसे गए?
ये तो मैं भी जानना चाहता हूं!
पहले हमने परछाईयों को रोशनी से मारने की कोशिश की थी, जो हमारी भूल थी!
तब हमको समझ में आया कि अंधेरे को रोशनी से नहीं, बल्कि अंधेरे से ही खत्म करना चाहिए, जैसे पानी में पानी घुल कर एक हो जाता है! वैसे ही अंधेरी परछाईयां, गटर के अंधेरे में घुल-मिलकर एक हो गईं और गायब हो गईं!
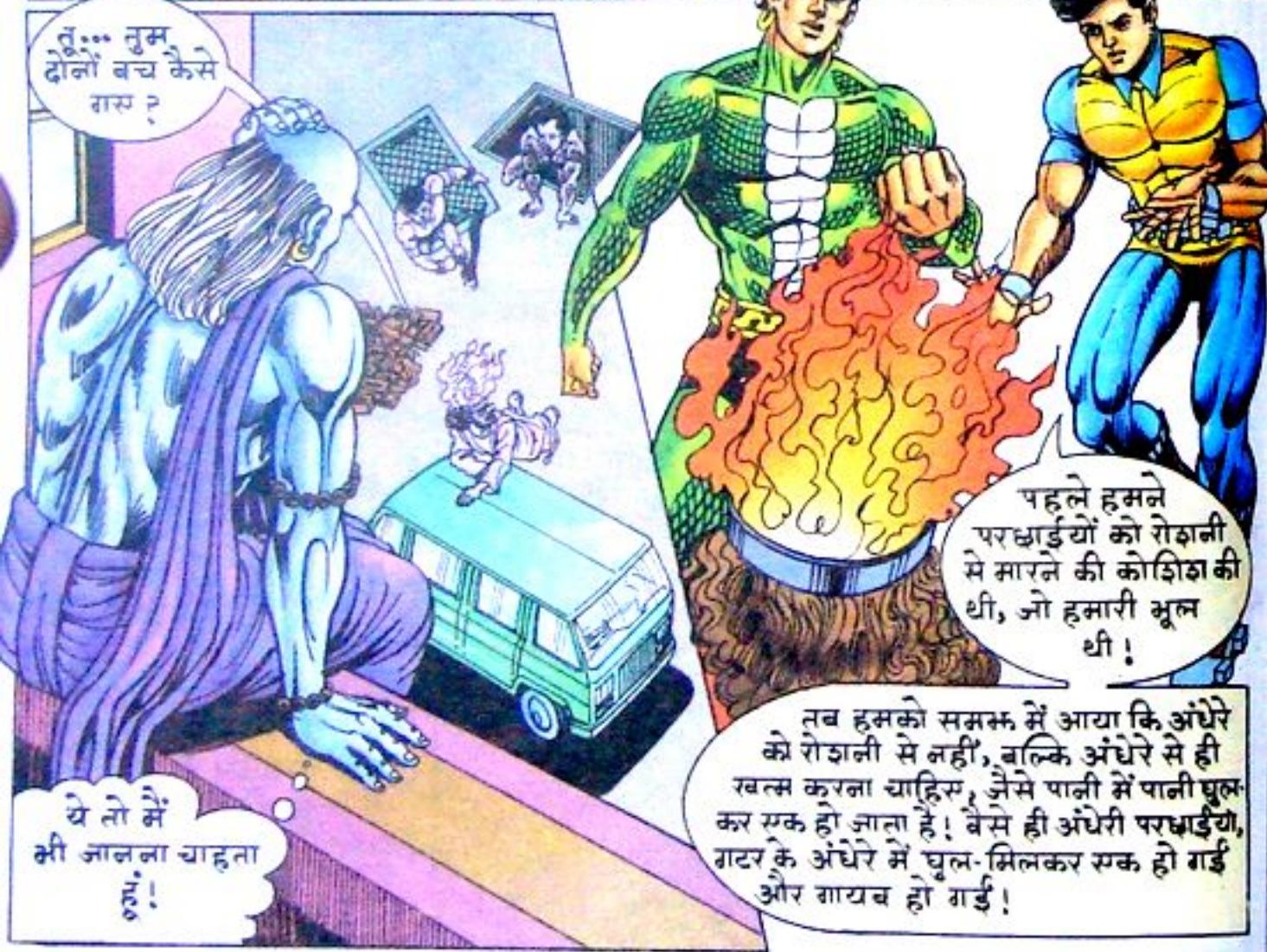
अच्छा किया जो तुमने मुझको ये राज बता दिया! अब मैं ऐसी सैकड़ों परछाईयां पैदा करूंगा जो मेरे जैसी अग्नि-मस्तक वाली होंगी!
फिर अंधेरा उनको निगल नहीं पाएगा! लेकिन संख्या में सैकड़ों होने के कारण वे तुम दोनों को जरूर निगल जाएंगी, और इस बार ये केवल तुमको नहीं, बल्कि हर उस वस्तु को तबाह करेंगी, जिससे ये टकराएंगी!
अब देखना ये है कि पहले ये शहर तबाह होगा, या तुम दोनों!
छुईयां-छुईयां के कुछ समझ पाने से पहले ही नागराज के ध्वंसक सर्प चमक उठे थे-
हम जानते थे कि तुम ऐसा ही कोई वार करने की कोशिश करोगे, और हम उसके लिए तैयार हैं!
हैं न नागराज!
बिल्कुल हैं!
और छुईयां-छुईयां के बंधे हाथों की परछाईं उसके अपने शरीर पर ही छप गई थी-

और हर वस्तु को नष्ट कर सकने वाली परछाईयां छईयां-छईयां को भी निगलती चली गई-
हुम्मम ! नागराज को बलि का बकरा बनाना आसान नहीं ! खासतौर से जब ये लड़का ध्रुव इसके साथ है! मुझे अपनी चाल में थोड़ा सा कुछ जोड़ना पड़ेगा !
दुश्मन को दोस्त बनाना होगा ! उससे ही मदद लेनी होगी! नई चाल चलनी पड़ेगी !

एक और मुसीबत टल गई नागराज! लेकिन अभी तक पेड़ों का रहस्य भी वहीं पर है! अब हम क्या करें?
कुछ भी पता लगे तो मुझे जरूर बताना!
बताना ही पड़ेगा ध्रुव! क्योंकि मुझे नहीं लगता कि मैं बगैर तुम्हारी मदद के इस रहस्य की तह तक पहुंच पाऊंगा!
सही समझे, नागराज! अब ध्रुव ही तुमको इस रहस्य की तह तक पहुंचाएगा!
और इसमें ध्रुव की मदद करूंगा मैं तांत्रिक तंतंत्रा!
अब इस समस्या को दूसरे छोर से सुलझाना पड़ेगा! अब मैं पहले वापस जाकर गिरीश और दूसरे लोगों से पूछताछ करूंगा! शायद उनसे मुझे वो जानकारी मिल सके, जो मुझको इस गुत्थी को सुलझाने में मदद कर सके!

सन् 1985 -
ये आपको क्या सूझी बॉस, कि आपने अच्छा-खासा चलता हुआ शंघाई सर्कस बंद कर दिया, और सारे जानवर भी बेच दिए !
देख चैंग ! हमारे पास दुनिया का सबसे शक्तिशाली आदमी है ! सबसे बढ़िया निशानेबाज है, सबसे बढ़िया कलाबाज है ! ये सब जान की बाज़ी लगाते हैं ! पर उनको मिलता क्या है ? अगर इसी का इस्तेमाल हम ठीक से करें तो शायद बैंक ऑफ चाइना का पूरा सोना लूट लें !
SHA
आइडिया तो अच्छा है बॉस ! क्या दूसरे कलाकार इसके लिए मान जाएंगे ?
वे तो पहले ही मान चुके हैं !
तब तो सही है बॉस ! यानी अब हमारा नाम शंघाई सर्कस से बदल कर 'शंघाई-गैंग' हो जाएगा !
"शंघाई गैंग" ! अच्छा नाम है !
पर ऐसा धांसू आइडिया आपको आया कहां से बॉस ?
बस... वो... ऐसे ही आ गया ! सच पूछो तो ऐसा लगा जैसे कि किसी ने ये आइडिया मेरी खोपड़ी में डाल दिया है !
भगवान का नहीं, शैतान का !
तब तो ये काम भगवान का ही होगा !
बॉस !

लो! शंघाई गैंग का चीफ कलेक्टर डिंग आ गया!
फूटी कौड़ी का भी नहीं बॉस!
बता, कितने में सौदा पटा तीन बब्बर शेरों का जुपिटर सर्कस के साथ?
यानी उनको हमारा ऑफर पसन्द नहीं आया! कोई बात नहीं, हम शेर किसी और को बेच देंगे!
शेर भी हाथ से निकल गए, बॉस!
क्या? उन्होंने तुमसे शेर छीन लिए?
मुझसे छीनकर फॉरेस्ट डिपार्टमेंट के हवाले कर दिए, बॉस! वे पहचान गए कि हमने उन शेरों को अवैध तरीके से पकड़ा था!
उनकी ये हिम्मत!
टैंग!
यस बॉस!
शंघाई गैंग को अपना पहला शिकार मिल गया है!
तैयारी करो!
जुपिटर सर्कस से बदला लेने के लिए एक खतरनाक गैंग तैयार हो रहा था–

जुपिटर सर्कस एक शहर की सीमा पर अपने खेमे गाड़ने में व्यस्त था-
JUPI
ध्रुव!
ध्रुव!
ध्रुव!
बाप रे! मां बुला रही है! अब कहेगी नौ बज गए हैं, सो जा! पर मेरा अभी सोने का मन नहीं है! मुझे अभी और फोटो खींचनी हैं! मुझको छुपा लो जल्दी!
ध्रुव!

ध्रुव!... अच्छा तो चंडाल-चौकड़ी यहां पर मौजूद है!
लेकिन तुम्हारा लीडर कहां है?
POOL
थैंक्स दोस्तों! अब चलो, एक और बढ़िया सा पोज बनाओ!
हां ऐसे! अब स्माइल मारो! जरा और लम्बी सी! हां!
अरे! क्या हो गया? तुम्हारी शक्लें हॉरर फिल्म वाली क्यों हो गईं?
सबके सिर पंखे की तरह हिल रहे हैं! जैसे किसी को कुछ पता ही नहीं! खैर, कब तक मुझसे छुपेगा वो बदमाश? उसे तो मैं ढूंढ ही निकालूंगी!

☆ हर्क्युलिस के बारे में जानने के लिए पढ़ें-प्रतिशोध की ज्वाला
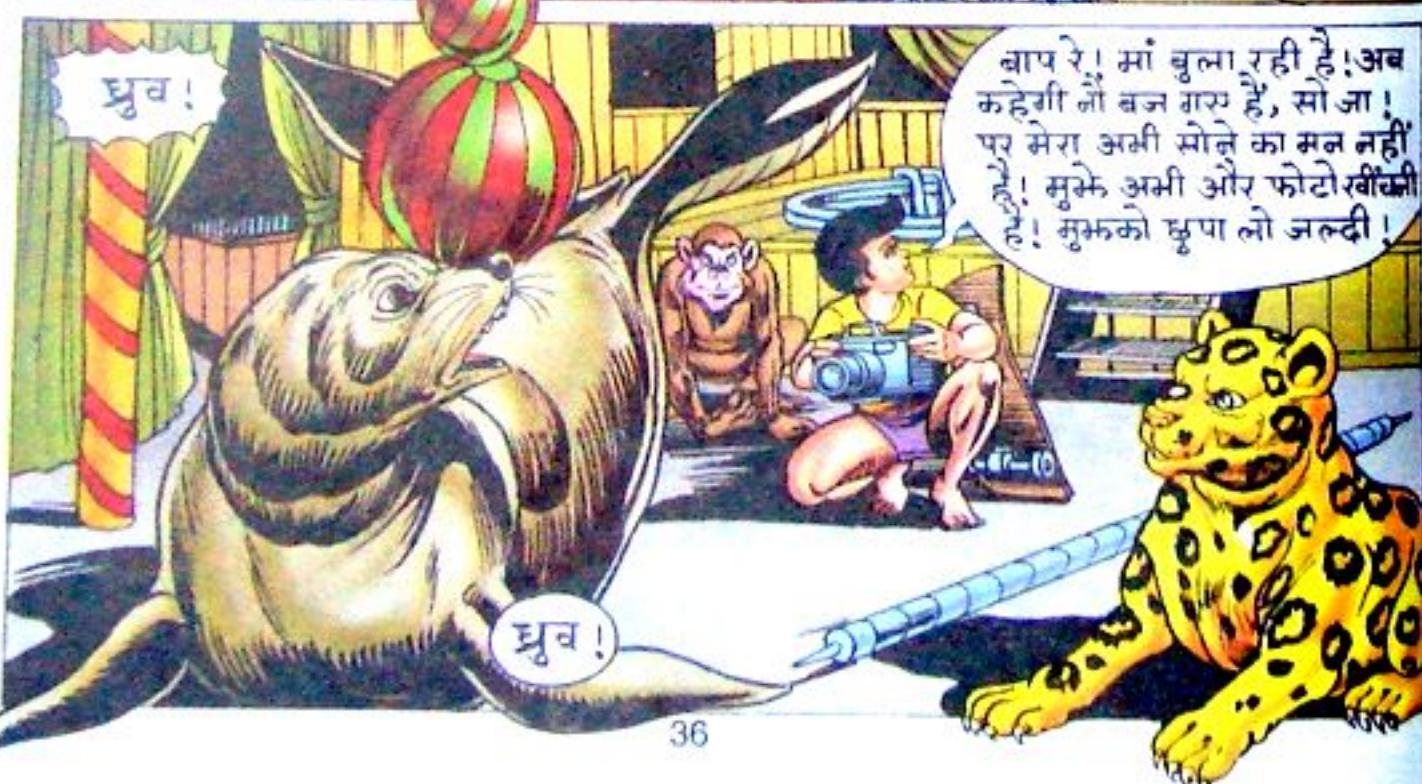
बैग! बच्चे को लेकर बाहर भागो!
मैं हर्क्युलिस को चीरकर अभी आता हूं!
निशानेबाज रंजन!
तुम्हारी खिदमत में!
ध्रुव को नीचे उतारो!
मेरे पास रिवॉल्वर है, और तेरे पास चाकू! मुकाबला बराबर का नहीं है!
सही कहा! रंजन के साथ मुकाबला करोगे तो मुकाबला बराबरी का कैसे होगा?
अरे! तूने चाकू कब चलाया?
ध्रुव! यहां से भागो!

तेरी तो...
धांय धांय
टन्न
टन्न
धांय
तो कहीं पर ताकत-
माउंटेंग से टकरा कर तो लोहा भी चूर-चूर हो जाता है!...
...फिर तेरी क्या औकात है, हर्क्युलिस?
कहीं पर किस्मत शंघाई गैंग का साथ दे रही थी-

हर्क्युलिस को वो ट्रिक पता है!...
...जो चट्टानों तक में छेद कर दे!
आऽऽऽऽह!
लोहे का कवच!
तेरी कोई ट्रिक मुझ पर काम नहीं करेगी, क्योंकि मैं...
...ये पहनकर आया हूं!
आऽऽऽह!

ओह! हर्क्युलिस चाचा मुसीबत में हैं! हमको उनकी मदद करनी होगी दोस्तों!
गर्रर्र! गर्रर्र!
खौ खौ खी खी खी!
हम क्या कर सकते हैं? सुनो! मेरे पास एक प्लान है!
और फिर-
एऽऽ! चीनी! चीनी! मैं यहां हूं!
मैं अभी तुझे पकड़ता हूं!
गर्ररर!
आऽऽऽऽऽऽ
अब ये जब तक लोहे की शर्ट नहीं उतारेगा, तब तक ऊपर नहीं आ पाएगा!
और शर्ट उतारेगा तो हर्क्युलिस चाचा से कसकर पिटेगा!

आऽऽऽह!
ये तो रंजन चाचा की आवाज है!
रंजन चाचा को भी मदद चाहिए! आओ, चलते हैं!
पर पहले कैमरा तो उठा लूं!
आऊऊऊ!
यहां तो गोलियां चल रही हैं!
रवो, रवो, रवो!
म्याऊं म्याऊं!
सही कहा! गोलियों के सामने हम क्या कर सकते हैं? कुछ नहीं, बस दूर से एक दो फोटो...
... अरे हां! फोटो! बैंग की फोटो खींच लेता हूं!
बैंग! बैंग! स्माइल प्लीज!
फ्लैश
आहहह! ये फ्लैश! मुझको कुछ नजर नहीं आ रहा है!
रंजन चाचा! यही मौका है!

अब रंजन के निशाने खाली जाने वाले नहीं थे-
ट्विन्स्टर!
अरे! ये दोनों जुड़वे चीनी कलाबाज कहां से आ गए?
हुआ है!
कौन?
तुम सब हार गए जूपिटर वालों! क्यों- कि ट्विन्स्टर का रास्ता कोई भी दीवार नहीं रोक सकती है!
इनसे अच्छा कलाबाज तो दुनिया में आज तक पैदा ही नहीं हुआ!

ध्रुव का बाप...
...श्याम!
...मुझे ही कुछ करना होगा!
ओह! सारी योजना फेल होती नजर आ रही है!...
लेकिन तभी-
क्या हो रहा है यहां पर? कौन गोलियां चला रहा है? ध्रुव, तू ठीक तो है ना बेटा?
चिन्ता मत करो राधा! हमारे बच्चे को खरोंच तक नहीं आई है!
पता नहीं! जब तक मैं इसको डॉक्टर को दिखा नहीं लूंगी तब तक मुझको चैन नहीं आएगा!
मैं इसको लेकर डॉक्टर के पास जा रही हूं!

2006
इनमें से कोई टूरिस्ट है, कोई शिकारी है और कोई स्वयं-सेवी है! लेकिन इनमें से ये किसी को भी याद नहीं है कि ये वृक्षों में कैसे बदल गए! किसी ने भी किसी संदेहास्पद प्राणी को नहीं देखा! अब तुम ही सोचो कि तुमने क्या देखा था?
देखो! मैं गिरीश को देखने जंगल में पहुंचा! भेड़िया मानव ने मुझ पर हमला किया! परन्तु वो पहले से ही घायल था! वह मर गया, और फिर पेड़ों ने मुझ पर हमला कर दिया! मैंने उनको हरा दिया! और इंसान पेड़ों से अलग हो गए! बस!
यानी तुम सारा समय लड़ने में बिज़ी रहे!
काश, तुम्हारे साथ कोई और होता, तो शायद वो आसपास किसी को देख लेता। पर तुम्हारे साथ तो कोई था ही नहीं!
हां, मेरे साथ तो कोई...
कोई था क्या, नागराज?
कुछ लग तो रहा है कि कोई था!... पर... न! कोई नहीं था!
ये क्या हो रहा है? ऐसा लगता है जैसे कि कोई बात मेरी मेमोरी से साफ हो गई है!
आजकल पूरी दुनिया में जो कुछ भी होता है, उसके पीछे एक ही शख्स का नाम लिया जाता है! कहीं ये काम उसीका तो नहीं है?
तुम किसकी बात कर रही हो भारती?
दुनिया के मोस्ट वांटेड क्रिमिनल...

... धुरवा की ! जिसके सिर पर कुल सौ करोड़ डॉलर का इनाम है ! जो ग्रैंड मास्टर रोबो, मिस किलर, नगीना और बौना वामन जैसे दुर्दान्त अपराधियों का भी बॉस है !
धुरवा !
तुम तो ऐसे चौंक रहे हो जैसे कि ये नाम तुम पहली बार सुन रहे हो !
उ... हां !... नहीं... नहीं ! नाम तो मैंने कई बार सुना है ! बस, आज तक संयोगवश मेरा और उसका सामना नहीं हो पाया है !
कहीं पर कुछ कम हो गया था, और कहीं पर कुछ जुड़ गया था-
नागराज ये भूल गया था कि जंगल में वो ध्रुव के साथ था ! उसको याद था तो उसी शकल से मिलता हुआ एक नया रूप ! क्राइम फाइटर ध्रुव अब क्रिमिनल धुरवा बन चुका था ! कहीं न कहीं कुछ गड़बड़ तो जरूर थी-

क्योंकि इस दुनिया से क्राइम फाइटर ध्रुव का नाम मिट चुका था-
दुनिया वालों के दिमाग से भी, और उसके अपनों के दिमाग से भी -
आप इतने चिन्तित क्यों नजर आ रहे हैं पापा?
इंटरपोल से एक गुप्त सूचना आई है कि धुरवा इस वक्त हिन्दुस्तान में है! और उसका संभावित ठिकाना राजनगर और महानगर के बीच के जंगल हो सकते हैं!
होम मिनिस्ट्री ने उसको पकड़ने के लिए स्पेशल टास्क फोर्स गठित की है और मुझको उसका कमांडर बनाया गया है!
आपने इतना बड़ा खतरा क्यों मोल लिया? क्या आप जानते नहीं हैं वो इंसान की जान को जान समझता ही नहीं! कसाई भी उसके सामने दयालु लगेगा!
लेकिन पशु-पक्षियों की जान उसको बहुत प्यारी है! मैंने तो सुना है कि वो जानवरों से बात भी कर सकता है! और वक्त पड़ने पर जानवर उसकी मदद भी करते हैं! कमाल की बात है ना?
उसका दिमाग भी बहुत तेज चलता है! और यही कारण है कि 54 मुल्कों की पुलिस भी उसको आज तक पकड़ नहीं पाई है!
आप ये केस छोड़ दीजिए! मुझको डर सा लग रहा है!
राजन मेहरा की बीबी होकर डरती हो? हम पुलिस वालों का तो ऐसों से रोज ही सामना होता रहता है!
वो बात नहीं है! ना जाने क्यों मुझे ये अच्छा नहीं लग रहा है कि आप धुरवा से लड़ेंगे!

अच्छा तो मुझको भी नहीं लग रहा है! बट ड्यूटी इज ड्यूटी! सबसे पहले तो हमको ये पता लगाना है कि ध्रुव इतना बड़ा खतरा उठाकर आखिर यहां पर आया क्यों है?
काश, मैं पापा की कोई मदद कर पाती! लेकिन मैं कोई सुपर हीरोइन तो हूं नहीं!
श्वेता अब चंडिका नहीं थी! ध्रुव और उससे संबंधित हर चीज का इतिहास बदल चुका था-
अब सच्चाई कुछ और ही थी-
अगर मुझे पहले से पता होता कि आप यहां आ रहे हैं तो मैं यहां पर स्पार कैंडीडांड कॉटेज बनवा देता, डी बॉस!
ताकि सिक्योरिटी एजेंसीज उस कॉटेज को देखकर आराम से मुझे पकड़ सकें? नहीं? रोबो! मुझे खुला जंगल ज्यादा पसंद है! और इसमें रहने वाले पशु, पक्षी भी!
लेकिन आपका यहां पर खुद आने का मकसद क्या है? आप दूर से ही आदेश कर देते, हम यहां पर आपका काम कर देते!
काम तुम ही करोगे, रोबो! लेकिन इस बार जिसका काम तमाम करना है उसके लिए मेरा यहां पर होना बहुत जरूरी है!
इस दुनिया में ऐसा कौन पैदा हो गया, जिसे मारने के लिए आपको खुद आने की तकलीफ उठानी पड़ी?
नागराज!
हुम! दुश्मन तो तगड़ा है! माना कि नागराज ने हमारा काफी नुकसान किया है, लेकिन क्या उससे सीधी टक्कर लेना मुनासिब होगा?

मेरे गार्जियन के एक गुरु हैं। और उन्होंने गुरु दक्षिणा में नागराज को मांगा है। और ये दक्षिणा मुझे ही चुकानी है! मेरे गार्जियन के मुझ पर बहुत एहसान हैं! उन्होंने मुझको तब पाला, जब मेरे मां-बाप को कुछ हत्यारों ने मार डाला था और मुझे बचाने के लिए मेरी मां ने मुझको चैंगी बॉस के हवाले कर दिया था!
चैंगी बॉस ने मेरे मां-बाप के हत्यारों को ढूंढकर उनको मार डाला, और उनके सर्कस के कलाकारों और जानवरों के साथ रहकर मैं ध्रुव बन गया! इस जालिम दुनिया से अपना बदला लेने के लिए!
आप गुरु दक्षिणा की क्याबात कर रहे थे?
जैसे गार्जियन के मुझ पर एहसान हैं, वैसे ही गुरुजी के गार्जियन पर एहसान हैं! और उन्होंने अगर गार्जियन से गुरु-दक्षिणा मांगी है तो वह उनको मिलनी ही चाहिए।
आपका काम हो जाएगा! नागराज आपको मिल जाएगा, और वो भी जिन्दा!
हा हा हा हा!
अब मेरा काम हो जाएगा! नागराज को अगर कोई जिन्दा पकड़ सकता है तो सिर्फ ध्रुव! इसीलिए मुझको समय-धारा में पीछे जाकर इसका वर्तमान बदलना पड़ा!
ये यही समझ रहा है कि इसकी मां ने इसको चैंगी के हवाले किया था! लेकिन सच्चाई तो कुछ और ही है!
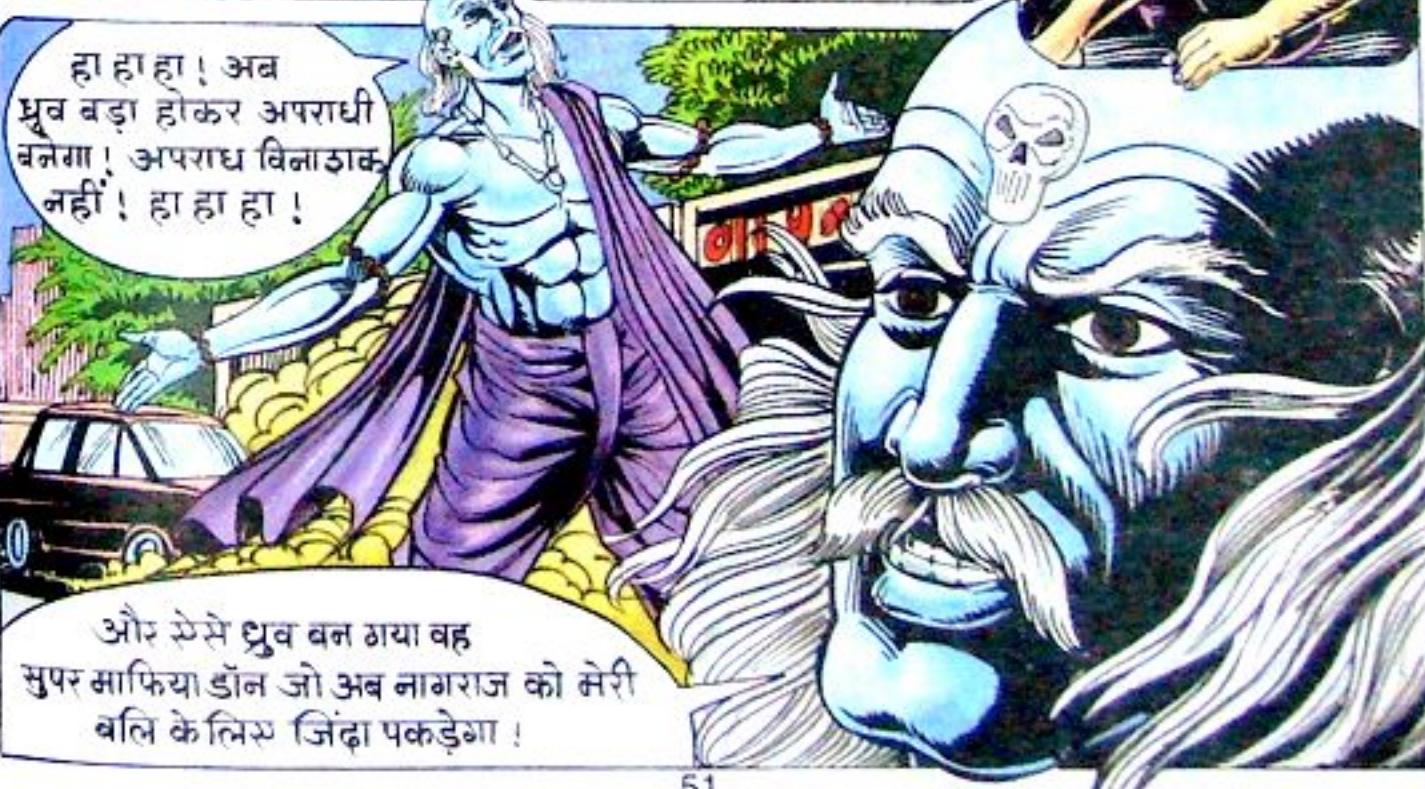
"वो इसकी मां नहीं थी, बल्कि मां के रूप में मैं था-"

इसे पकड़ो और यहां से दूर ले जाओ! इसको पाल-पोसकर बड़ा करना और इसे अपना उत्तराधिकारी बनाना।

पर... त... तुम हो कौन?

मुझे अपना गुरु समझ लो! मैं तुम्हारी मदद करता रहूंगा! समय आने पर मैं आऊंगा, और तुमसे गुरु-दक्षिणा लूंगा! अब जाओ!

हा हा हा! अब ध्रुव बड़ा होकर अपराधी बनेगा! अपराध विनाशक नहीं! हा हा हा!

और ऐसे ध्रुव बन गया वह सुपर माफिया डॉन जो अब नागराज को मेरी बलि के लिए जिंदा पकड़ेगा!

महानगर- वर्तमान में-
आश्चर्यजनक संयोग है! अभी भारती ने ध्रुव का जिक्र किया और अभी ही मुझे पुलिस हेडक्वार्टर से ये मैसेज मिला कि ध्रुव महानगर के जंगलों में मौजूद है!
अगर ये खबर सच है तो आज मेरी ध्रुव से पहली मुलाकात होगी, और ध्रुव की जेल के बाहर ये आखिरी रात होगी।
ये जरूर होता, लेकिन तब, जब नागराज ध्रुव तक पहुंच पाता-
ओह! एकाएक तेज आंधी कैसे चलने लगी? हवा का दबाव इतना तेज है...
...कि यह मुझे दीवार से कागज की तरह चिपका दे रहा है!
लेकिन... लेकिन... ये चिड़िया तो आंधी में आराम से ऐसे उड़ रही है जैसे हवा सामान्य गति से बह रही हो!
यह कैसे हो सकता है? इस पर आंधी का असर क्यों नहीं हो रहा है?
क्योंकि ये वायु-अवरोध सिर्फ तुम्हारे लिए बनाया गया है!

मेरे लिए ?
पर तुम हो कौन ? और मुझे रोकना क्यों चाहते हो ?
मैं बाधा हूं! मैं हर तरह की बाधा खड़ी कर सकता हूं! मेरी बाधाओं को आज तक कोई पार नहीं कर पाया है! और इसीलिए मुझे तुमको ध्रुव तक पहुंचने से रोकने का कार्य सौंपा गया है!
किसने सौंपा है तुमको यह काम ?
यह बताना मेरे लिए निषिद्ध है! वैसे तुमको जल्दी ही उनके दर्शन भी हो जाएंगे!
उसी ने तुमको मुझे रोकने के लिए यहां भेजा है!
नहीं!
मैं समझ गया! ध्रुव यहां पर कुछ खास काम करने आया है!
और वह ये कभी नहीं चाहेगा कि उसका काम पूरा होने से पहले नागराज उस तक पहुंचे!
लेकिन तुम मुझे रोक नहीं पाओगे!
क्योंकि मुझे ध्रुव तक हर हाल में पहुंचना है!

हवा, नागराज के चौड़े शरीर पर तो दबाव डाल सकती थी -
लेकिन सर्पों के पतले लंबे शरीरों पर उसका असर बहुत कम होना था -
भाले की तरह उड़ते ध्वंसक सर्प, आसानी से अपने लक्ष्य तक पहुंचे -
और -
आऽऽह!
नागराज ! रुक जाओ ! आगे बढ़ना हानिकारक है !
असंभव ?
आऽऽऽह! अब मेरे रास्ते में पहाड़ कहां से आ गया ?
तुम्हारे घायल होते ही आंधी बंद हो गई है ! इसीलिए अब तुम अपने शब्दों की बाधा खड़ी करना चाहते हो !
लेकिन नागराज को रोकना एकदम असंभव है!
इसको तो चढ़कर ही पार करना पड़ेगा !
और वह भी शहर के बीचो-बीच में।

आश्चर्य है! ये पहाड़ सड़क पर चल रहे ट्रैफिक पर कोई असर नहीं डाल रहा है! ये तो शायद पहाड़ को देख भी नहीं पा रहे हैं! यानी ये बाधा भी सिर्फ मेरे लिए ही बनी है!
लेकिन इस बाधा को पार कर पाना मेरे लिए बहुत मुश्किल है!
क्योंकि जैसे-जैसे मैं ऊपर चढ़ता जा रहा हूं, ये पहाड़ और ऊंचा होता जा रहा है!
कोई और रास्ता ढूंढ़ना होगा!
धड़ाक
चाहे इस रास्ते के लिए मुझे इस पहाड़ को तोड़ना पड़े!
नागशक्ति से भरे वारों ने पूरे पहाड़ में कंपन पैदा कर दिया!
ओह! चट्टानें खिसक रही हैं! ये क्या कर रहे हो नागराज?

तुम्हारे तोड़ने से या चट्टानें गिराने से ये बाधा दूर नहीं होगी !

तुम इसको कभी पार नहीं कर पाओगे !

एक पल के लिए 'बाधा' की आंखें नागराज पर से हटीं-

और-

अरे! नागराज कहां गया ? अभी यहीं तो था !

नागराज पर्वत के दूसरी तरफ निकल गया है! वह मेरी बाधा को पार कर गया है! पर कैसे ?

ये बाधा अब मेरे किसी काम की नहीं रही !

पर्वत- बाधा हट जा !

अब मैं नागराज के आगे पहुंचकर अग्नि-बाधा खड़ी करूंगा।

रुक जाओ नागराज !

रुक जाओ !

हेsssss

क्या बात है, भाई ? मेरी शक्ल डरावनी है क्या ?
तु... तुम तो कोई और हो ? नागराज कहां है ?
नागराज यहां है !
तुम्हारी बाधा सिर्फ मुझे रोक रही थी ! इसीलिए मैंने अपने सर्प नागू को अपने शरीर से निकाल कर पर्वत के पार भेज दिया ! तुमने नागू को देखा और धोखा खा गए ! तुमने बाधा हटा ली और मैं यहां आ गया ! तुम्हारे पीछे !
अब तुम और बाधाएं नहीं खड़ी कर पाओगे !
फ़ूऊऊऊ
क्योंकि तुम नागराज की 'फुंकार बाधा' को पार नहीं कर सकते !
आऽऽऽह !
तुम जीत गए नागराज !
अब इससे पहले कि ध्रुव को इसकी खबर लगे, हमको उस तक पहुंच जाना है !
नहीं ! रुक जाओ नागराज !
मैं सही वक्त पर आ पहुंचा ! मुझे पता तो था कि बाधा तुमसे जीत नहीं पाएगा !

लेकिन मुझे यह उम्मीद नहीं थी कि वह तुम्हारे सामने इतनी देर भी टिक नहीं पाएगा!
गुरू गोरखनाथ! आप यहां पर?
प्रणाम स्वीकार करें गुरुदेव!
मुझे कुछ आवश्यक कार्य पूरे करने थे! इसीलिए मैंने बाधा को भेजा था! ताकि वह तुमको रोककर रख सके, और तुम धुरवा तक न पहुंच पाओ!
बाधा को आपने भेजा था! पर क्यों? आप ये क्यों नहीं चाहते कि मैं धुरवा तक पहुंचूं?
क्योंकि जो मैं जानता हूं वह तुम नहीं जानते नागराज! धुरवा और तुम, दोनों ही सिर्फ मोहरे हो!
कौन गुरुदेव?
चाल तो कोई और ही चल रहा है!
काली शक्तियों का महान ज्ञाता...
...मेरा युगों-युगों का दुश्मन!
तंतंत्रा!
उसकी काली शक्तियों को मेरी श्वेत शक्तियां संतुलन में रखती हैं!
अगर वह धुरवा के जरिए तुम्हारी बलि चढ़ाने में सफल हो गया तो उसकी शक्तियां कई गुना बढ़ जाएंगी!
वह इतना शक्तिशाली हो जाएगा कि ब्रह्मर्षि विश्वामित्र की तरह एक नई सृष्टि की रचना कर सके!
मेरी बलि? पर अगर ऐसा है तो मुझे धुरवा को काबू में करके तंतंत्रा की योजना को विफल करना ही होगा!
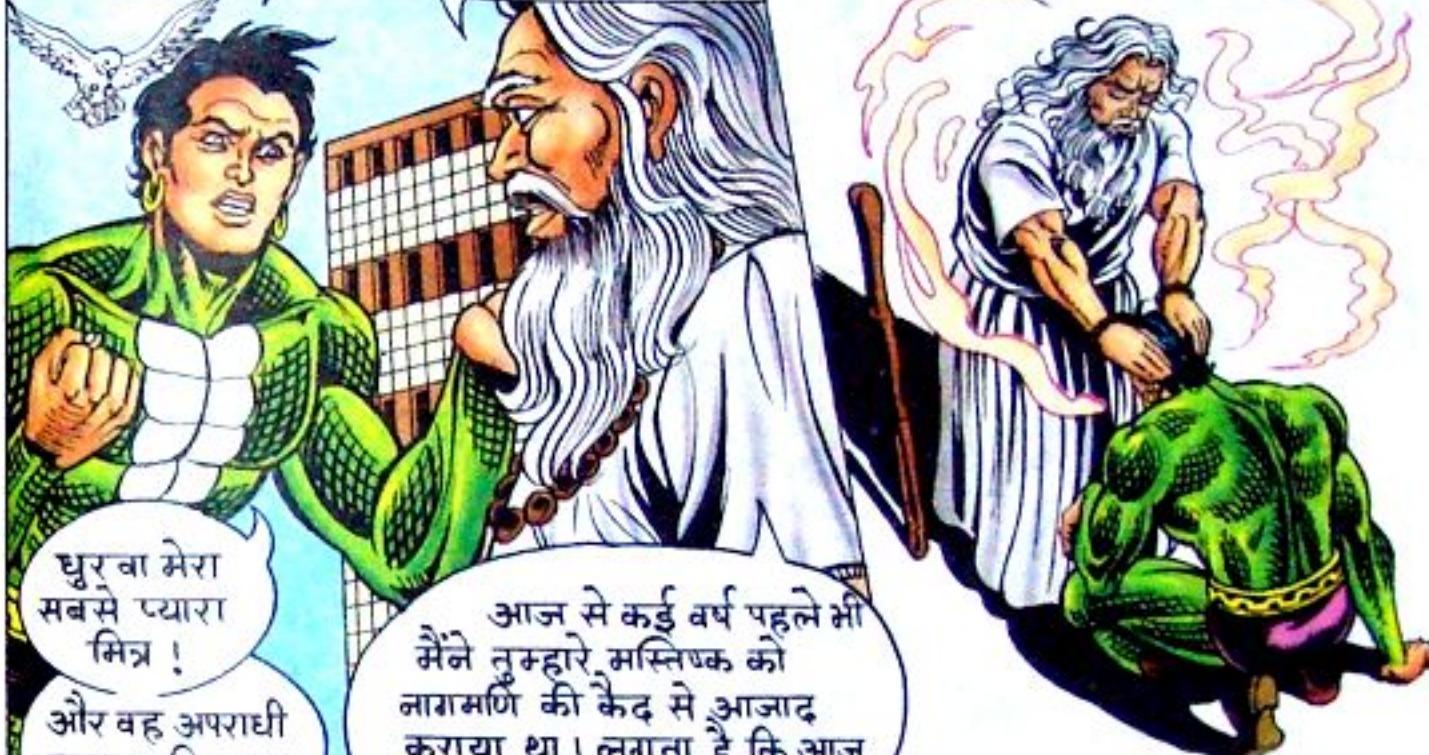
चाहे ऐसा करने के लिए मुझे ध्रुव की जान लेकर अपनी शपथ ही क्यों न तोड़नी पड़े!
ऐसा करके तुम अपने सबसे प्यारे मित्र की जान ले लोगे और दुनिया को एक महान अपराध-विनाशक से हाथ धोना पड़ेगा!
धुरवा मेरा सबसे प्यारा मित्र!
और वह अपराधी अपराध-विनाशक भी है!
ये आप क्या कह रहे हैं गुरुदेव?
आज से कई वर्ष पहले भी मैंने तुम्हारे मस्तिष्क को नागमणि की कैद से आज़ाद कराया था! लगता है कि आज वह कार्य मुझे दोबारा करना पड़ेगा!
तुमको सत्य जानना ही होगा नागराज!
गुरु गोरखनाथ की शक्तियां नागराज के मस्तिष्क से मिट चुकी यादों को फिर से जगाने लगीं-
और-
ओह! मुझे सब याद आ गया, गुरुदेव! अब यही काम आपको धुरवा के साथ भी करना होगा! ताकि उसको भी अपना अतीत याद आ जाए!
उस पर मेरी कोई शक्ति काम नहीं करेगी! क्योंकि उसका तो अतीत ही बदल चुका है!
धुरवा को ध्रुव बनाने के लिए उसका अतीत बदलना पड़ेगा!
ध्रुव के अतीत में जाकर उसके अतीत के घटनाक्रम को बदलना होगा!
और यह काम सिर्फ तुम कर सकते हो!
मैं? पर मेरे पास तो तंतंत्रा की तरह अतीत में जाने की शक्ति नहीं है!

अतीत में जाने की शक्ति तो तंतंत्रा के पास भी नहीं है!
फिर तंतंत्रा ने 1983 में शंघाई गैंग की मदद कैसे की थी?
हां, नागराज! परंतु ये कार्य उतना आसान नहीं होगा!
क्योंकि 1983 में तुम प्रोफेसर नागमणि के आधीन थे और उसने तुम्हारे अंदर बुरी प्रवृत्तियों को जाग्रत करके रखा हुआ था!
उसके लिए तंतंत्रा ने 1983 में मौजूद अपने ही रूप से संपर्क बनाया था और उसको यह कार्य करने का आदेश दिया था!
1983 में तो मैं भी मौजूद था! यानी ध्रुव को वापस जुपिटर सर्कस पहुंचाने के लिए मुझे अपने ही रूप से संपर्क करना होगा?
और उस वक्त तुमको अपनी शक्तियों का न तो पूरा ज्ञान था, और न ही अपनी नाग शक्तियों पर नियंत्रण था!
हुम! पता नहीं मैं अपने अतीत में जाकर अपने ही रूप से संपर्क कर भी पाऊंगा या नहीं!
क्या आप तंतंत्रा का सामना करके उसको खत्म नहीं कर सकते, गुरुदेव?
ठीक है गुरुदेव! मैं कोई एकांत स्थान तलाश कर ध्यान लगाता हूं और अपने रूप से संपर्क बनाने की कोशिश करता हूं!
ऐसा हो सकता तो मैं ऐसा बहुत पहले कर देता, नागराज! परंतु अगर हम दोनों में सीधा टकराव हुआ...
...तो इतनी ऊर्जा निकलेगी कि शायद पूरी सृष्टि ही खतरे में पड़ जाए!
हमारा काम भी पूरा हुआ नागराज! हम चलते हैं! अब सृष्टि का भविष्य तुम्हारे हाथों में है!

जल्दी ही नागराज ने एक शांत जगह की तलाश करली थी-

इस वक्त इस 'कार-डम्प' में कोई नहीं आएगा! लेकिन फिर भी तुम लोग चारों तरफ पहरे पर लग जाओ! अगर कोई गलती से यहां पर आ जाए तो उसको डराकर वापस भेज दो!

क्योंकि मैं अब 'पाताल ध्यान' लगाने जा रहा हूं! और ये ध्यान अगर टूटा तो मैं सुप्ता-वस्था में चला जाऊंगा!

तुमने कुछ सुना? नागराज को भी 'डी-बॉस' के बारे में पता है, और वह उसके खिलाफ कोई प्लान बना रहा है!

अगर ये ध्यान में चला गया तो फिर इसकी जान को खतरा हो जाएगा! और हमें इसको जिन्दा पकड़ना है!

तो फिर हमको इसे समाधि लगाने से पहले ही पकड़ना होगा!

कोई योजना है तुम्हारे पास?

अब जाओ! मुझे धुरवा का कायाकल्प करना है!

कई सारी हैं! लेकिन उन सबमें जान का खतरा है!
नागराज की जान या हमारी जान?
हमारी जान!
तो फिर तुम अपनी जान संभाल कर रखो!
रोबो, नागराज को उसकी जान के साथ अभी लेकर आता है!
नागराज 'पाताल ध्यान' में लीन होने ही वाला था-
नागराज, उठ! और सामना कर मेरा!
क्योंकि ग्रैंडमास्टर रोबो न तो किसी असावधान पर वार करता है...
...और न ही किसी की पीठ पर!

रोबो! ग्रैंडमास्टर रोबो! मैंने तुम्हारी आतंकवादी गतिविधियों के बारे में सुना है!
मैं जो भी करता हूं, डी बॉस के हुक्म पर करता हूं! और उनका हुक्म है कि नागराज को उनके दरबार में लेकर आया जाए! जिन्दा!
जरूर चलूंगा!
और जिन्दा ही चलूंगा!
लेकिन अपनी मर्जी से!
अपने वक्त पर!
और अकेला!
तुम अपने घर जाओगे!
और आज से तुम्हारे स्थायी घर का पता है...
...जेल!
मजा आया! शोले के बाद आज पहली बार मजेदार डायलॉग सुनने को मिले हैं!
लेकिन हमारी ये पहली टक्कर है नागराज!
इसीलिए तुम रोबो के बारे में कुछ नहीं जानते! रोबो को आधा शरीर मशीनी है!
तुम्हारी नाग-शक्तियां इस पर असर नहीं डाल सकतीं!

पर तुम्हारा आधा शरीर तो इंसानी है न! और इंसानी शरीर को सांस लेने की जरूरत पड़ती है!
अब तुमने सांस अंदर ली तो तुम्हारे होश बाहर हो जाएंगे!
सॉरी, नागराज!
फर्र
लेकिन रोबो को साफ हवा में सांस लेने की आदत है!
मैं जानता था कि एक न एक दिन हमारा मुकाबला जरूर होगा!
इसीलिए मैंने काफी पहले से इस दिन की तैयारी करके रखी थी!
धातु के सांप!
ये छल्ले की तरह आकर मेरे शरीर पर कस गए हैं!...
...मुझमें दांत गड़ा रहे हैं!
और इनके दांतों से मुझे 'एनर्जी शॉक' लग रहे हैं!

अब मेरे नहीं, तुम्हारे होश गुम होंगे नागराज!
और तुम्हारे होश गुम होते ही मैं तुमको बंदी बनाकर...
... डी बॉस के पाssssस... आssssssssssssह!
तुम्हारे 'मेटल स्नेक्स' की बैटरियां खत्म हो चुकी हैं, रोबो!
अब तुम्हारी बैटरी खत्म होने का वक्त है!
रोबो की बैटरी कभी खत्म नहीं होती!
आssssह! लेजर आई!
रोबो की दूसरी आंख!

अब तू डी बॉस के सामने जिन्दा तो जाएगा, लेकिन अपंग बनकर!
ओफ़! इसकी लेज़र रे धातु की चमकीली पर्तों से टकराकर अलग-अलग दिशाओं में जा रही हैं!
और उनमें से कुछ वापस पलटकर मेरी तरफ आ रही हैं! बचना बहुत मुश्किल है!
समस्या को जड़ से खत्म करना होगा!
ये रहा रोबो का नया हेलमेट!
चमकीली सतह ने लेजर रे को परावर्तित करके हेलमेट के अंदर ही घुमाना शुरू कर दिया-
और इतनी ऊर्जा को सह पाना रोबो के मशीनी अंगों के लिए भी मुश्किल था-
तुम्हारा खेल खत्म हुआ, रोबो!
रोबो का खेल खत्म हुआ होगा...

लेकिन खेल अभी खत्म नहीं हुआ है नागराज!
मिस किलर!
पूरी टीम है यहां पर! अब तुम मुझे कैसे रोकोगी?
कौन सा वार करोगी?
मैं तुम्हारी सारी चालों से वाकिफ हूं!
रोबो दुश्मन की पीठ पर वार नहीं करता!
लेकिन मिस किलर ऐसा ही करती है!
कक
आऽऽऽह!
आऽऽऽह!
ये दोनों समय खराब कर रहे हैं! नागराज इनकी पकड़ में कभी नहीं आएगा! लेकिन इस लड़ाई से मुझको जरूर फायदा हो रहा है! मुझे नागराज की शक्तियों पर गौर करने का समय मिल रहा है! अब मैं नागराज को जिन्दा पकड़ने की योजना बना सकता हूं!
हा हा हा! रोबो फेल हो गया, लेकिन मिस किलर फेल नहीं हुई!
अब इन कचरे के डिब्बों को हटाकर बेहोश नागराज को बाहर निकाल लेना है और डी.बॉस के पास ले जाना है!

मैं भी साथ चलूंगा! क्योंकि 'उनसे' मुझे भी मिलना है!
नागराज! तुम यहां...
आ...आऽऽऽह!
फ़ऊऊऊ
कारों के नीचे से सुरंग बनाकर बाहर निकलना मेरे सर्पों के लिए मामूली सा काम है, मिस किलर!
अब मुझे डी बॉस के पास कौन लेकर जाएगा?
कहीं जाने की जरूरत नहीं है, नागराज!
मैं खुद यहां पर आ गया हूं!
ध्रुव!
CAR
माफ करना दोस्त! लेकिन मुझे तुमको बंधक बनाना ही होगा!
चीं चींऽऽऽ चिंऽऽऽऽऽ
ओह! मुझे पहले ही समझ जाना चाहिए था।
इसने पक्षियों को बुला लिया है!
इसको मैं अपनी बात कैसे समझाऊं? और कैसे ध्यान लगाऊं 'पाताल-साधना' में जाने के लिए!
पर तुम... तुम... ओफ़!
ध्रुव नहीं, धुरवा! ध्रुव का नाम तो जूपिटर सर्कस के साथ ही जलकर खाक हो गया!

तड़ाक
आऽऽऽह!
रुक जाओ, ध्रुव!
तुम मुझसे जीत नहीं सकते!
ऐसा तुम सोचते हो नागराज!
बॉऽऽऽ
आऽऽऽह!
इसके दोस्त तो हर जगह पर हैं!
सामान आ गया?
यस डी. बॉस!
उसे लेकर मेरे पास पहुंचो! पांच मिनट के अंदर-अंदर!
CAR WAS
ध्रुव, कार वॉश गैराज में जा रहा है!
पर मैं उसका पीछा...
...ओह!
ध्रुव के गुंडे!
ये सिर्फ मेरा समय बर्बाद कर रहे हैं!
ध्रुव को अपनी योजना बनाने के लिए भी यही चाहिए था-
समय-

और वहां से कुछ ही किलोमीटर की दूरी पर-
हम सही रास्ते पर जा रहे हैं न सर ?
हां ! रोबो और मिस किलर को इसी एरिया में देखा गया है ! वे दोनों ध्रुव के खास कमांडर हैं ! जहां वे होंगे...
...वहां पर ध्रुव भी होगा !
कार-बॉक्स में-
ध्रुव ! सुनो, आत्मसमर्पण कर दो ! सब ठीक हो जाएगा, मेरे दोस्त !
दोस्त ? मौत से इतना डर गए कि मौत के एजेंट को दोस्त कह बैठे ?
तुम अकेले हो ! और हथियार के नाम पर तुम्हारे पास प्रेशर पाइप है ! न मैं तुमसे डरता हूं और न ही पानी के प्रेशर से !
डरो, नागराज ! डरो !
क्योंकि इस पाईप में पानी नहीं है !

'क्विक सेटिंग बुलेट-प्रूफ हार्ड प्लास्टिक' का घोल है!
मदद अभी भी दूर थी-
सर, हमको हैलीकॉप्टर से आना चाहिए था!
POLICE
शाबाश, धुरव! तूने अपने गार्जियन की गुरू- दक्षिणा आज चुका दी!
अब मैं मंत्र पढ़-पढ़ कर नागराज की गर्दन रेतूंगा! और जैसे- जैसे इसकी गर्दन कटती जाएगी, मेरी शक्तियां बढ़ती जाएंगी!
ओम् ह्वीं षट! चंड- मुंड काली कपाली...

ओह! यह क्या हो रहा है!
मेरी जान खतरे में है! और यहां से निकलने का बस एक ही रास्ता है! मुझे ध्रुव को उसके असली रूप में लाना होगा! अतीत में जाकर उसका वर्तमान बदलना पड़ेगा! और यह करने के लिए 'पाताल ध्यान' लगाने का यही एकमात्र अवसर है!
इसकी गर्दन कट क्यों नहीं रही है?
नागराज की इच्छाधारी शक्ति इसके सिर और गर्दन की रक्षा करती है! ये कटेगी जरूर लेकिन इसमें काफी समय लगेगा!
समय चाहे कितना भी लग जाए, लेकिन इसकी गर्दन जरूर कटनी चाहिए!
ओम एवीचंड मुंड नाशिनी...
और उसका ध्यान-रूप अतीत में जाकर-
नागराज असह्य दर्द को नजर-अंदाज करके पाताल ध्यान लगा रहा था-

अपने ही रूप से संपर्क बना रहा था-
सन् 1983 में-
आऽऽऽ ह! ये क्या?
क्या, क्या? लगता है कि तू आज फिर बहाना बनाकर 'मंकी स्टाइल' सीखने से बचना चाहता है!
तू पिछली बार की पिटाई को भूल गया है! एक बार तेरी याददाश्त को रीफ्रेश करना पड़ेगा!
इस हंटर से!
आऽऽऽऽऽ
हैं?
बाबा!
हां!
तुम चेंगी बॉस का पता जानते हो?
अरे! ऐसे मत देख! तू मुझे सम्मोहित कर देगा! फिर मैं तुझे जवाब कैसे दूंगा?

अपनी शक्तियों को संभालना तू कब सीखेगा, नागराज?
चैंगी बॉस कहां मिलेगा बाबा?
चैंगी बॉस! अरे उसको इस धंधे में आए जुम्मा-जुम्मा दो दिन हुए हैं! उसने तुझे कोई ऑफर दिया है क्या?
उसका पता बाबा!
चाइना-टाउन का शिनशिना नाइट क्लब!
मैं चला!
लेकिन तू उसके पास जाएगा नहीं! अगर उसको तुझसे कुछ काम है तो उसको बोलो कि वह दो महीने बाद नीलामी में आए! उससे पहले... बड़...
बड़ा...
नागराज को क्या हो गया है नागमणि?
आज उसने पहली बार तुम्हारी हुक्मउदूली की है! इतनी हिम्मत उसमें कहां से आई?
पता नहीं! अब तो मुझे कभी-कभी इसमें अच्छाई के कीटाणु भी नजर आने लगे हैं!
आज वह पहली बार इस हवेली से बाहर गया है! भगवान जाने क्या होगा? क्योंकि अभी तो इसको अपनी शक्तियों का प्रयोग भी ठीक से करना नहीं आता!

चाइना टाउन का शिनशिना क्लब-
जश्न मनाओ! आज जश्न की रात है! अब चैंगी को कोई रोक नहीं सकता!
चैंगी के पास अब दुनिया की सबसे बड़ी शक्ति है! गुरू की शक्ति!
अब चैंगी दुनिया का सबसे बड़ा माफिया डॉन बनेगा!
गेट पर-
ऐ! क्लब में जाने का टिकट लिया है?
नागराज हर जगह एक ही टिकट देता है! ये लो!
ऐसा कौन सा टिकट...
ईssss ये तो सांप है!
बचाओ!
देखो जाकर कि गेट पर कौन चिल्ला रहा है?
गेट पर जाने की कोई जरूरत नहीं है!
क्योंकि अब जो भी चीख-पुकार मचेगी अंदर ही मचेगी!
इसके बदन पर तो सांप रेंग रहे हैं, बॉस!
ऐ! कौन है तू? भाग जा! ये बच्चों की जगह नहीं है!
समझ गया! ऐ भाई, हमने सर्कस बंद कर दिया है! तू अपनी कला का नमूना किसी और सर्कस में जाकर दिखा!

ध्रुव मुझे दे दो!
अब समझा! तुझे जुपिटर वालों ने भेजा है! उनके आदमी खुद मौत के मुंह में जाने से डरते हैं, इसीलिए उन्होंने तुझे भेज दिया है!
लेकिन मेरे आदमी भी जुपिटर वालों से बचकर सुरक्षित यहां पर आ चुके हैं!
अरे, ये तो मेमना है! इसकी नर्म गर्दन मरोड़ने में तो बड़ा मजा आएगा!
माऊंटेंग! बैंग-बैंग! ट्विन्सटर!
आओ, और इसकी हड्डियां तोड़कर इसको एक ब्रीफकेस में पैक करके जुपिटर सर्कस में भेज दो!
अपनी किस्मत को सराह बच्चे!
तू दुनिया के सबसे ताकतवर इंसान के हाथों से मरने जा रहा है!
आऽऽऽह!
ये... ये तो... गड़बड़!
बैंग-बैंग! भून डालो इसको!
छलनी बना दो इसके बदन को!
धनाक

धांय धांय
धांय
धांय
धांय धांय
फ्रू फ्रू
फ्रू फ्रू
आssssह!
?
ये तो इसे देखकर ही बेहोश हो गया! इससे पहले कि ट्विन्सटर भी पिट जाएं मुझे ही कुछ करना होगा!
पर मैं भी क्या कर सकता हूं?
गुरू जी, मदद करो!
ठक
ठक

2006
वर्तमान में-
इसकी गर्दन कट रही है! थोड़ी-थोड़ी कट रही है! इसकी बलि की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और मुझे शक्तियां मिलनी भी शुरू हो गई हैं!
मुझे संधि-शक्ति का प्रयोग करके देखना होगा कि बलि प्रक्रिया से मुझे फायदा हो भी रहा है या नहीं!
संधि शक्ति का बादल आबादी पर फैलने लगा था-
रुक क्यों गए, इंस्पेक्टर?
सामने देखिए सर!
एक रहस्यमय धुंध उस भरी बस को ढकती जा रही है!
इस गर्म मौसम में धुंध कहां से आ गई? और ये बस को ही क्यों ढक रही है?
अरे! ये... ये बस तो इंसान और मशीन का एक मिला जुला खूंखार रूप बन गई है!
और अब ये बादल हमारी तरफ आ रहा है! आगे सर!
मुझे पूरा विश्वास है कि इसका संबंध भी ध्रुव से ही है!
चलो जवानो! हम पैदल ही अपनी मंजिल की तरफ बढ़ेंगे!
POLICE
आई.जी. राजन की यात्रा लंबी होती जा रही थी-

और नागराज की जिन्दगी छोटी-
अरे! ये क्या?
क्या हुआ, गुरू तंतंत्रा?
कुछ नहीं!
नागराज मेरी चाल मुझ पर ही आजमा रहा है! अभी-अभी मुझे 1983 से चेंगी की पुकार सुनाई दी है! नागराज का बाल-रूप ध्रुव को बचाकर उसका अतीत फिर से पुरानी स्थिति पर लाने की कोशिश कर रहा है!
मुझे नागराज की पूर्ण बलि जल्दी से जल्दी देनी होगी! और तब तक उसके बाल रूप को ध्रुव का अतीत बदलने से भी रोकना होगा!
1983
अतीत में-
ध्रुव को दे दो!
वर्ना...
व... वर्ना क्या?
वर्ना फूSSS
आSSSह!
गुरू ने तो कहा था कि मेरी मदद करता रहेगा! अब मुसीबत के वक्त वह कहां मर गया?
ध्रु... ध्रुव को ले आओ!
जल्दी!
ध्रुव को ले लो, नागराज!
हांSSS?

ये... ये कैसा जानवर है? सिर आदमी का, पंजे शेर के और शरीर हाथी और गैंडे का! ऐसा जानवर तो मैंने पहले कभी नहीं देखा!
अरे! ये तो स्वयं गुरू जी अद्भुत रूप में मेरी सुरक्षा के लिए आ गए! जय हो गुरू जी! जय हो!
मुझे इस काल में भी संधि- शक्ति का प्रयोग करके खुद आना पड़ा! क्योंकि इस नाजुक घड़ी में मुझे सिर्फ अपने आप पर भरोसा है...
...कि मैं नागराज को ध्रुव का अतीत पलटने से रोक पाऊंगा!
मैं पशु भंडारी हूं नागराज!
हर पशु की खासियत मेरे अंदर है और मेरा दिमाग इंसान का है! तू तो क्या इस दुनिया का कोई भी प्राणी मुझसे जीत नहीं सकता!

इसीलिए ध्रुव को यहां से ले जाने का ख्वाब देखना छोड़ दे और अपनी जान के साथ वापस लौट जा!
नागराज को अभी अपनी शक्तियों का न तो पूरा ज्ञान था और न ही उसका उन पर पूर्ण नियंत्रण था-
इस वक्त सिर्फ एक ही चीज उसकी मदद कर रही थी-
उसका भविष्य उसके साथ था-
मुझे ध्रुव को पकड़ने का एक रास्ता समझ में आ गया है!
इस बार हवा में उछले ध्रुव को-
पशु भंडारी भी लपक नहीं पाया-
उई! सांऽऽप!
डरो मत दोस्त! ये तुमको नुकसान नहीं पहुंचाएंगे!
मैं तुमको बचाने आया हूं!
तुम तो कमाल की चीज हो! पर तुम मुझे बचा क्यों रहे हो?
मैं तो यहां पर सुरक्षित हूं!
बाहर जाऊंगा तो वे लोग मुझे मार डालेंगे जिन्होंने जुपिटर सर्कस पर हमला करके सबको मार दिया है!
कोई नहीं मरा है ध्रुव! तुम्हारे मां-बाप और सभी जुपिटर सर्कस वाले सुरक्षित हैं!
चेंगी तुमसे झूठ बोल रहा है! वह तुमको अपना गुलाम बनाना चाहता है!
अरे! नागराज ध्रुव को लेकर बाहर आ रहा है!
मुझे ध्रुव को वापस लाना ही होगा! इसका पीछा करना होगा!

सन् 2006 –
वर्तमान-
तंतंत्रा की संधि- शक्ति का दायरा बढ़ता ही जा रहा था-
और नए- नए प्राणी पैदा हो रहे हैं! तबाही का दायरा बढ़ता जा रहा है!
धुंध पूरे आसमान पर छा गई है! हमको जल्दी से जल्दी ध्रुव तक पहुंचना ही होगा!
प्रभु की सृष्टि, शैतान के हाथों में जा रही थी-
और इस तबाही को रोक सकते थे तो सिर्फ दो बच्चे-
और वह भी अतीत में-
CHINES
नागराज! पशु भंडारी हमारे पीछे लगा है!
लगने दो! वह सिर्फ जमीन पर दौड़ सकता है! इसीलिए हम जमीन पर नहीं चलेंगे!
यिप्पी! तुम तो कमाल हो नागराज!
मजा आ गया!
लेकिन नागराज अभी थोड़ा कच्चा था-
और सर्प रस्सी बनाने वाले उसके सांप भी कच्चे थे-

आऽऽऽ ह! हम गिर रहे हैं, नागराज!
लेकिन अनुभव के कच्चे नाग अपना निशाना चूक गए-
अब हम नहीं बचेंगे ध्रुव!
बचेंगे नागराज! पापा ने मुझे एक ट्रिक सिखाई है!
मेरे पैर पकड़लो!
डरो मत, ध्रुव! मैं दूसरी नागरस्सी छोड़ता हूं!
कलाबाजी में माहिर ध्रुव ने आखिरकार उस तार को पकड़ ही लिया-
और-
येऽऽऽऽ तुम भी कुछ कम नहीं हो ध्रुव!
लेकिन हम दोनों पशु भंडारी से कम हैं नागराज!
आऊ! मैं इससे निपट लूंगा!
चिन्ता मत करो!
फूऽऽऽ

वर्तमान
कुछ और करना पड़ेगा!
आऽऽऽह!
मैं तुम दोनों को मारना नहीं चाहता! वर्ना ये काम मेरे लिए चुटकियां बजाने जैसा है!
तुम फुंकने और सांप फेंकने के अलावा और भी कुछ कर पाते हो, नागराज?
TOIL
पता नहीं!
लेकिन ये दोनों काम भी तो मैं बड़ी मुश्किल से कर पाता हूं!
अब कुछ और क्या करूं?
तड़ाक
कुछ भी करो! क्योंकि बगैर इसको पार किए हम मैं घर नहीं जा सकता!
इसको अगर हम भी इतनी तेज टक्कर मारकर नीचे गिरा सकते तो...
वो तो हम कर सकते हैं नागराज!
कैसे?
सुनो!
तुम दोनों छुपकर नहीं बच सकते हो! वहां से बाहर जाने का कोई रास्ता नहीं है!
मुझे सिर्फ ध्रुव वापस चाहिए! अगर मुझे ध्रुव जिन्दा न मिला तो तुम दोनों को मारकर...
...हैंऽऽऽ
बांऽऽऽ
बांऽऽऽ
बांऽऽऽऽऽ

ये! ये क्या? सांप-रस्सी से बंधे हुए इतने सारे बैल एक साथ दौड़ते हुए मेरी तरफ क्यों आ रहे हैं?
धड़ाम
इसलिए!
इन्हें मैंने बुलाया था!
ध्रुव!
और मैंने बांधा था!
ताकि टक्कर जोर-दार रहे!
कुछ ज्यादा ही जोरदार टक्कर थी!
अरे! मेरे मम्मी-पापा आ गए! साथ में जुपिटर सर्कस के सारे चाचा भी हैं!
तो फिर मेरा काम पूरा हुआ! अब मैं चलता हूं ध्रुव!

एक मिनट नागराज ! हम फिर कब मिलेंगे ?
पता नहीं ! लेकिन हम मिलेंगे जरूर !
अब मैं जल्दी से मम्मी के पास...
इतनी जल्दी भी क्या है बच्चे ? पहले जरा पन्द्रह बीस साल मेरे साथ रह तो !
चेंगी बॉस !
ये काम जरा मुश्किल होगा चेंगी !
क्योंकि अगले पन्द्रह साल तुम जेल में बिताने वाले हो ! अपने साथियों के साथ !
पुलिस !
ध्रुव के मां-बाप पुलिस लेकर आ गए !
मम्मी !
ध्रुव ? तू ठीक तो है न ?
तू बचकर भाग कैसे आया ?
मुझे नागराज ने बचाया !
नागराज कौन है ?
सत्यानाश ! मेरी सारी मेहनत पानी में मिल गई !
ध्रुव वापस अपने माता-पिता के पास पहुंच गया है !
उसका अतीत फिर से सामान्य हो गया है ! और मेरी योजना चौपट हो गई है !

सन् 2006 – वर्तमान

मेरी सारी योजना चौपट हो गई!

अरे! ह... हम यहां पर नागराज और ध्रुव के साथ क्या कर रहे हैं? मुझे कुछ याद क्यों नहीं आ रहा है?

मैं इस पोशाक में क्या कर रहा हूं और नागराज प्लास्टिक के खोल में क्यों है?

मेरी संधि शक्ति खत्म हो गई है! अब सबकुछ सामान्य हो गया है! मेरी योजना चौपट हो गई है! अब मैं और कुछ नहीं कर सकता! सिर्फ बदला ले सकता हूं!

यही मौका है तुम दोनों के लिए अपना बदला लेने का रोबो, और मिस किलर! मार डालो ध्रुव और नागराज को!

मैं तुमको इस कैद से आज़ाद करता हूं, नागराज!

तुम भी यहां से भागो तंत्रा! और काली शक्तियां पाने का कोई नया तरीका ढूंढो!

लेकिन तभी-

वांऊ
वांऊ
वांऊ

पुलिस! पुलिस आ रही है! भागो यहां से!

गोरखनाथ! तो तूने की है नागराज की मदद! पर मैं वापस आऊंगा!

ध्रुव! तुम यहां पर क्या कर रहे हो?

और नागराज यहां पर क्यों आया है?

यही सवाल मैं आपसे पूछना चाहता हूं पापा? ये फोर्स क्यों?
पता नहीं! कुछ समझ में नहीं आ रहा है! लगता है जैसे कि मैं नींद से जागा हूं!
अब सब कुछ सामान्य हो गया है! मैं इस घटना से प्रभावित हर प्राणी के दिमाग से इस घटनाक्रम को मिटा दूंगा!
और फिर-
ये लो नागराज! मेरी तरफ से एक उपहार स्वीकार करो!
एक न्यूज पेपर!
ये न्यूज पेपर तो बहुत पुराना है! 1983 का!
और इसमें हमारी पहली मुलाकात का जिक्र है ध्रुव!
दिखाओ, दिखाओ!
इसी वक्त-कहीं दूर पर-
हा हा हा! सफलता! मैंने 'कर छोटा किरण' को सफलतापूर्वक बना लिया है!
अब मैं बनाऊंगा एक म्यूजियम!
और मेरे इस म्यूजियम में शामिल होंगे ब्रह्मांड रक्षक! ही ही ही!

समाप्त.